श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

तृतीय वर्ष - अभ्यास - ६

नवम्बर - २०१९

गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा। २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें। ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे। ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे। ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे। ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है। ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगे, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा। ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है।

ऊप्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. अपने मीठे कलह में अवांछितरुप से भाई की .... होने से उसने ऐसा श्राप दिया।
२. .... और .... के वेग का नाश करने से सब इंद्रियो पर जीत पा सकते हैं।
३. श्री .... नागरिकों को शांति हो।
४. अपना..................... छोडकर शुद्ध होकर राजा को पूछकर गुरु के साथ विचरण करने लगे।
५. .... मनुष्य एक समय में असंख्यात उत्पन्न होते हैं।
६. साधना में आगे बढते जीव स्वयं के जीवन में तो .... भाव को प्राप्त करते हैं।
७. .... आसन, निद्रा एवं शरीर इन चार को जीतता है वही ध्यान कर सकता है।
८. अर्थ और काम इन दोनों पुरुषार्थ के उपर भी लगाम तो .... की ही हो।
९. पदार्थ के सामान्य धर्म का उपयोग-व्यापार वह.................... ।
१०. .... दस पदों की जघन्य से आयुष्य स्थिति अंतर्मुहुर्त होती है।
११. विष अनुष्ठान का आचरण करते समय ही .... नाश होती है।
१२. आत्महित और संपत्ति को प्राप्त कराने वाला शांतिनाथ भगवान का .... जय पाता है।
१३. प्रवृति-योग से .... की प्राप्ति होती है।
१४. अेक समय मे उपपात और च्यवन.................... का अनंत बार होता है।
१५. कविता के .... ही अक्षर का उच्चारण करने पर देवी प्रसन्न हो गई।
१६. श्री नगर जनों को शांति .... में शांति हो।
१७. शुक्लध्यान का तीसरा विशेषण......................... है।
१८. देवश्री नाम की स्त्री से उत्पन्न हुआ................... नाम का पुत्र था।
१९. .... पर आरुढ साधक योगी कर्मक्षय करने को प्रवृत्त होता है।
२०. श्री स्कंदीलाचार्य के शिष्य का नाम.......................आचार्य पद मिलने के पश्चात पडा।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. धारा नगरी के पंडित बाण के बहनोई का क्या नाम था ?
२. उपद्रव, दुष्ट, अंगस्फुरण, दुस्वप्न दुष्ट निमित्तादि का नाश किसके नामोच्चार से होता है ?
३. एक गति मे जीव के रहने के समय को क्या कहते हैं ?
४. सरसौ पानी में डालने से क्या उत्पन्न किये जा सकते थे ?
५. किसका नियमन आध्यात्मिक विश्व में विशिष्ट स्थान रखता है ?
६. देवायु और मोहनीय की सात प्रकृति का क्षय होने पर साधक क्या प्राप्त करता है ?
७. इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करने से किसकी प्राप्ति होती है ?
८. अत्यंत उच्च कक्षा पर पहुंचे हुए साधु को कौनसा अनुष्ठान संभव है ?
९. मयुर पंडित ने हाथ पैर की ऊंगलिया काटने के पश्चात किस देवी की उपासना की ?
१०. अवंति सुकुमाल किस विमान में जाना चाहते थे ?
११. तीन दिन का आयुष्य किसका होता है ?
१२. सिद्धसेन और वृद्धवादी सूरि जी का दूसरा वाद कहाँ हुआ ?
१३. कुवादिरुप तिमिर का नाश करने पर सूरि क्या कहलायें ?
१४. कौन सा अनुष्ठान लोक व ओघ संज्ञा से होता है ?
१५. किसके अग्रभाग पर दृष्टि स्थिर रखना ही ध्यान की शुद्धता है ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१) वास २) स्कंध ३) लघुकर्मण ४) गब्भातिरि ५) चीर ६) समीर ७) उन्मृष्ट ८) जहन्न ९) पुढवाई १०) रिष्ट ११) व्याहरेत १२) सग १३) ठिइआ १४) तिरिय १५) देसूण १६) वण १७) वंतर १८) मे १९) छक्कं २०) जोइस

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) निश्चल	१) देवपाल	६) नाभि कमल	६) द्रव्य के पर्याय
२) कोढी	२) भक्ति अनुष्ठान	७) सरस्वती प्रसन्न	७) निष्कंप
३) कुमारपुर	३) रेचक प्राणायाम	८) गोष्ठिक	८) गच्छ बहार
४) सिद्धियोग	४) विव्दद् मंडली	९) पारांचित	९) प्रशमभाव
५) सामायिक	५) वृद्धवादि सूरि	१०) अंगुठी हार	१०) पंडित बाण

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. कल्याण मंदिर का कितनावा श्लोक रचते ही शिवलिंग फटा ?
२. शुक्लध्यान में प्रथम कितने विशेषणों का स्वरुप बताते हैं ?
३. पारांचित प्रायश्चित में से कितने वर्ष व्यतीत होते ही सिद्धसेन को संघ ने गच्छ में वापस लिया ?
४. अवंती सुकुमाल की कितनी स्त्रीओं ने दीक्षा ली ?
५. नारकी का उत्कृष्ट आयुष्य कितना ?
६. जीव में ज्ञान अज्ञान के कितने उपयोग हैं ?
७. बाण कवि ने सूर्यदेव की स्तवना संबंधी कितने काव्य बोले ?
८. छः उपयोग कितने दंडक में होते हैं ?
९. अध्यात्म सार ग्रंथ में अनुष्ठान के कितने प्रकार बताये हैं ?
१०. जीव आठमें गुणस्थानक प्राप्त करे तब कर्म की कितनी प्रकृति सत्ता में होती है ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. सामायिक, चऊविसत्थो, वंदन और काउसग्ग यह प्रीति अनुष्ठान है ।
२. नेत्र कुछ बंद कुछ खुले होते हैं ।
३. श्री राजाओं के निवास स्थान में शांति हो ।
४. तेइन्द्रिय का उत्कृष्ट आयुष्य ४८ दिन का होता है ।
५. जो कोई भी वादी मुझे वाद में जीत ले तो मैं उसका चेला बन जाऊंगा ।
६. श्री मानतुंगाचार्य ने अडतालीस गाथाओं की रचना की जो आज "भक्तामर स्तोत्र" के नाम से सुप्रसिद्ध है ।
७. अवंति सुकुमाल ने गुफा में जाकर अनशन किया ।
८. क्षपक श्रेणी वाले मुनि भगवंत व्यवहार का आश्रय कर ध्यान करने योग्य होते हैं ।
९. पृथ्वीकाय जीव को विभंगज्ञान होता है ।
१०. पाँचवे गुणस्थानक में तिर्यंच आयु का क्षय होता है ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. जैसे जैसे गाथा बोलते गये वैसे वैसे जंजीर बेडियाँ और ताले टूटते गये ।
२. एकमात्र मोक्ष के लक्ष से ही धर्म आराधना की बात बताई गई है ।
३. चउरिन्द्रिय को छः उपयोग होते हैं ।
४. ग. मनुष्य ये दस दंडक की जघन्य स्थिति अंतर्मुहुर्त होती है ।
५. विकलता अच्छी परंतु आर्त रौद्रध्यान और गलत लेश्यावाली चित्तवृति अच्छी नहीं ।
६. सर्व सुखों को देने वाला यह "धर्मलाभ" ही तुम्हें सुखदायक होगा ।
७. अतः उपपात द्वार और च्यवन द्वार समान ही हैं ।
८. आप मेरे उपर कृपा करो तो मेरा राज्य स्थिर रहे ।
९. उसे राज्य सभा में आने की, उसी तरह नगर में रहने की सख्त मनाई फरमाई ।
१०. प्रथम भाव याने तृष्णा का उपशम ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. शुक्लध्यान २) प्राणायाम ३) श्री मानतुंगसूरि ४) उपपात और च्यवन द्वार
५. अनुष्ठान के चार प्रकार

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :
शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
मो. ९०२८२४२४८४. सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com